(c) and (d) Three persons having no technical qualifications were appointed to technical posts, but they had long experience in the related field. Qualifications were relaxed in their cases as provided in the advertisement.

Discontinuance of Projects of CMERI, Durgapur

401. SHRIMATI MONIKA DAS:
SHRI NEPALDEV BHATTACHARJEE:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the projects of CMERI, Durgapur numbering 465.41.23, 476.42.24 and RPC (Prof) 299 were approved and discontinued subsequently;

(b) whether other projects of similar nature were sanctioned or allowed to continue by the Research Advisory Council at the same meeting;

(c) if so, what are the reasons therefor;

(d) whether the initial guidance and follow up guidance on the projects by the management prove to be counter productive;

(e) whether CSIR guidelines to involve all the scientists in the large and major projects were observed in CMERI, Durgapur; and

(f) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND IN THE DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) No, Sir. Project No. 465.41.23 was taken up as a collaborative project in May, 1982. Research Advisory Council in its review of progress in September, 1983 recommended its termination. As per the records there is no project bearing No. 476.42.24. Project No. RPC 299 was completed.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

(d) No, Sir.

(e) Yes, Sir.

(f) Scientists with adequate qualifications and expertise in particular field are engaged in respective approved major projects. The deployment of scientists is reviewed by RAC twice a year.

मध्य प्रदेश में ईसाई मिशनरियों के निष्कासन आदेशों का वापिस लिया जाना

402. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकार की इच्छा के विरुद्ध मध्य-प्रदेश में कार्यरत कुछ अवांछनीय विदेशी ईसाई मिशनरियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गये उस निष्कासन आदेश को वापिस ले लिया है जिसमें उनसे देश छोड़ने के लिए कहा गया है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है?

आन्तरिक सुरक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री अरूण नेहरू) : (क) और (ख) मध्य प्रदेश सरकार से प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त होने पर, मध्य प्रदेश में कुछ विदेशी मिशनरियों को आगे समय वृद्धि अस्वीकृत की गयी थी । कुछ अभ्यावेदन प्राप्त होने पर मध्य प्रदेश सरकार मामले में आगे जांच करना चाहती है । भारत सरकार मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध से सहमत है ।

देश में प्रदूषण

403. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दैनिक जागरण (कानपुर) के 10 जनवरी, 1986 के अंक में प्रकाशित हुए उस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें यह बताया गया है कि देश में प्रदूषण से विभिन्न नदियों में जल प्राणी नष्ट हो रहा है और गंगा, यमुना, टोन्स तथा सरयू खदेरी नदियों के तट पर स्थित शहरों और कस्बों की बढ़ती हुई जनसंख्या में प्रदूषण के स्तर में बहुत अधिक वृद्धि हुई है ;